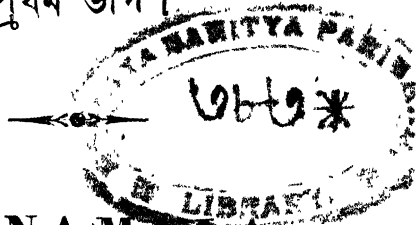


۷۶۷

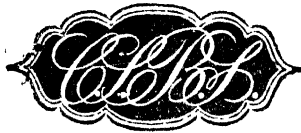
বর্ণমালা।

প্ৰথম ভাগ।



BARNAMA-LA.

PART I.



CALCUTTA :

PRINTED AT THE CALCUTTA SCHOOL-BOOK SOCIETY'S PRESS;
AND SOLD BY THEIR DEPOSITORS, 12, LALL BAZAR.

1863

| | |
|---------------|-------------|
| <i>1st ed</i> | 2000 Copies |
| <i>2d</i> | 2000. |
| <i>3d</i> | 2500 |
| <i>4th.</i> | 5000 |
| <i>5th.</i> | 10,000. |
| <i>6th.</i> | 10,000. |
| <i>7th.</i> | 10,000. |
| <i>8th.</i> | 10,000. |
| <i>9th.</i> | 5000 |

| | | | | | | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| ১ | ২ | ৩ | ৪ | ৫ | ৬ | ৭ | ৮ | ৯ | ১০ |
| স্ব | স্ব | স্ব | স্ব | স্ব | স্ব | স্ব | স্ব | স্ব | স্ব |
| ক | খ | গ | ঘ | ঙ | চ | ছ | জ | ঝ | ঞ |
| ট | ঠ | ড | ঢ | ণ | ত | থ | দ | ধ | ন |
| প | ফ | ব | ভ | শ | ষ | ষ | ষ | ষ | ষ |
| র | স | হ | প্র | জ | ঝ | ঞ | ঞ | ঠ | ড |
| ক | খ | গ | ঘ | ঙ | চ | ছ | জ | ঝ | ঞ |
| ট | ঠ | ড | ঢ | ণ | ত | থ | দ | ধ | ন |
| প | ফ | ব | ভ | শ | ষ | ষ | ষ | ষ | ষ |
| র | স | হ | প্র | জ | ঝ | ঞ | ঞ | ঠ | ড |
| ক | খ | গ | ঘ | ঙ | চ | ছ | জ | ঝ | ঞ |
| ট | ঠ | ড | ঢ | ণ | ত | থ | দ | ধ | ন |
| প | ফ | ব | ভ | শ | ষ | ষ | ষ | ষ | ষ |
| র | স | হ | প্র | জ | ঝ | ঞ | ঞ | ঠ | ড |

| | | | | |
|---|---|-----|-----|-----|
| ক | খ | গ | ঘ | ঙ |
| চ | ছ | জ | ঝ | ঞ |
| ট | ঠ | ড | ঢ | ণ |
| ত | থ | দ | ধ | ন |
| প | ফ | ব | ভ | ম |
| য | র | ল | ল্ব | শ |
| স | হ | স্ব | ষ | জ্ঞ |
| ষ | ষ | ফ | ঞ্জ | ঞ |
| শ | ষ | ফ | ঞ্জ | ঞ |
| শ | ষ | ফ | ঞ্জ | ঞ |

| | | | | |
|-----|-----|---|---|-----|
| স্র | জ্র | ঞ | জ | ক্ষ |
| শ্র | দ্র | ঝ | ঝ | ক্ষ |
| ড্র | ধ্র | ঞ | ঞ | জ |
| ভ্র | ব্র | ভ | ভ | ই |
| ম্র | ম্র | ঔ | ম | ফ |
| ল্র | ল্র | শ | ল | স্ত |
| ন্র | ন্র | ষ | ন | ষ |

কো পা তৈ গি মা চু টে ডু ভঃ থ°
 অ কা গ্ন ভু উ ম গ থ° ক' স্ত।



যুক্তাক্ষর ।

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ক | ক | ক | ক | ক | ক | ক |
| ক | ক | ক | ক | ক | ক | ক |
| ক | ক | ক | ক | ক | ক | ক |
| খ | খ | খ | খ | খ | খ | খ |
| গ | গ | গ | গ | গ | গ | গ |
| গ | গ | গ | গ | গ | গ | গ |
| ঘ | ঘ | ঘ | ঘ | ঘ | ঘ | ঘ |
| ঙ | ঙ | ঙ | ঙ | ঙ | ঙ | ঙ |
| চ | চ | চ | চ | চ | চ | চ |
| ছ | ছ | ছ | ছ | ছ | ছ | ছ |
| জ | জ | জ | জ | জ | জ | জ |

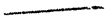
| | | | | | | |
|-----|-----|----|----|----|-----|----|
| বা | ব্র | বু | ব | ভু | ভ্র | ভা |
| ভ | ভ | ভ | ব | ভ | ভ | ভ |
| স্ত | ম | ম | ভ | ম | ম | ম |
| যা | য | য | য | য | য | য |
| ল | ল | ল | ল | ল | ল | ল |
| ল | ল | ল | ল | ল | ল | ল |
| ব | ব | ব | ব | ব | ব | ব |
| ব | ব | ব | ব | ব | ব | ব |
| শ | শ | শ | শ | শ | শ | শ |
| শ | শ | শ | শ | শ | শ | শ |
| স | স | স | স | স | স | স |
| স | স | স | স | স | স | স |
| সু | সু | সু | সু | সু | সু | সু |
| হ | হ | হ | হ | হ | হ | হ |



ত্র্যক্ষর যুক্ত ।

| | | | | | | |
|-----|----|------|-----|----|-----|-------|
| ক্য | ক্ | ত্যা | ক্ | ক্ | ক্য | ক্র্য |
| ক্য | ক্ | ক্ | ক্ | ক্ | ক্ | ক্র্য |
| খ্য | খ্ | ক্ | ক্য | ক্ | খ্য | ক্ |

| | | | | | | |
|------|-------|-------|------|------|------|------|
| স্ব | যা | চা | চ্চ | চ্চ | চ্যা | জ্জ |
| জ্জা | স জ্জ | জ্জা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| পা | প্জ | প্জা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| কু | ক্জ | ক্জা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| স্মা | স্মজ | স্মজা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| স্তা | স্তজ | স্তজা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ভু | ভুজ | ভুজা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| নু | নুজ | নুজা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| মু | মুজ | মুজা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| পা | পা | পা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| মা | মা | মা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক | ক | ক | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| চ্চ | চ্চ | চ্চ | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষ | ক্ষ | ক্ষ | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |
| ক্ষা | ক্ষা | ক্ষা | চ্চা | চ্চা | জ্জা | জ্জা |



স্বরাস্ত্র স্বাক্ষর

| | | | | | | |
|--------|--------|--------|--------|-------|--------|--------|
| অজা | অতি | কাক | কামী | আম্নু | ভয় | চম্ |
| আজা | অর্পি | শঠ | কালী | আলু | কাচ | হ্নু |
| আশা | রথ | অলি | ক্রোধী | বন | ইক্ষু | আগা |
| শব | অসি | গৃহী | ক্ষয় | ঋতু | আভা | আদি |
| বশু | গোষ্ঠী | কটু | আমা | ক্ষণ | ইতি | কাল |
| গোপী | কচু | যম | উষা | ইনি | আদ্য | খিন |
| গৌরী | বল | উঢ়া | যশঃ | উক্তি | জিত | যটী |
| কিছু | বিষ | কপি | একা | ঝুড়ী | নাশ | কিন্তু |
| কথা | কমি | মাস | দ্রোণী | গৰু | রাগ | কাঁচা |
| কৃষি | শিরা | দ্রোহী | ঘুঘু | কাঁচ | ঢাল | খড়ি |
| ধাত্রী | কাছা | গতি | শাস | নদী | চক্ষুঃ | যাঁড় |
| কাণা | গদি | শাল | জন্তু | পত্নী | তল | তাল |
| থাড় | পক্ষী | চাক | তিল | খানা | গাড়ি | মদ |
| পৃথী | খোলা | গাতি | কাম | ফণী | জানু | কাণ |
| খাতা | গালি | বলী | পাপ | যাদ | খুড়া | গিরি |
| রাঢ় | রাণা | ঝাড়ু | হাব | খেলা | গুঁটি | হাস |
| বাদী | টান্ধী | খোনা | ঘসি | কীট | বাটী | তনু |

| | | | | | | |
|--------|--------|---------|--------|--------|--------|--------|
| গোড়া | দীপ | চটি | ধাতু | নীর | বেণী | তরু |
| নাথ | গাঁজা | চাকি | খাম | মহী | পঙ্খু | বোজ |
| ধেনু | গাদা | শিলা | চারি | মালী | হাল | পুট |
| মাঘ | গালা | চিনি | শীত | মৃগী | পশু | পাদ |
| শীল | ঘড়া | চুণি | রাগী | কেশ | পাশু | ঘটা |
| চুরি | মীন | রাজ্জী | পুরু | কূল | ঘোড়া | পীত |
| চৌকী | বাণী | প্রভু | মূল | চিটা | চোরি | রোগী |
| বন্ধু | ক্ষীণ | চৌড়া | ছড়ি | দাস | শ্রেণী | গীত |
| বসু | চূড়া | ছাতি | তীর | ষষ্ঠী | বহু | যুক্তি |
| ছটা | তাল | ছবি | নতী | বায়ু | নাশ | ঝাটা |
| জাতি | সাধী | ধীর | রাহু | ছড়া | ঝাঁকি | চাঁন |
| সাক্ষী | বিন্দু | ছাড়া | ঝালি | নিজ | সুখী | বিধু |
| ছানা | নখ | টাটি | হংসী | বিষ্ণু | জাপা | টুকি |
| ছাগ | হস্তী | বেণু | রস | ছায়া | টিবি | মধু |
| হাতী | পার | ছালা | টুটি | চণ্ডী | জিন | মরু |
| ছিটা | টুপি | দীন | ক্ষোণী | শুক | মৃত্যু | ছোলা |
| দেশ | ঢাক | ক্রিয়া | বাজী | মৃদু | তুষ | জামা |
| শিখা | ক্ষীর | যদু | তরি | দণ্ডী | রঘু | তালু |
| জালা | তালি | দুলী | রিপু | ঘট | জরা | পণ |
| পাণি | লেবু | জ্বালা | বাট | তিথি | ঘটা | গৌর |

| | | | | | | |
|---------|--------|--------|--------|-------|--------|--------|
| লঘু | কেশ | লতা | ঐশী | দধি | যোষা | রেণু |
| জীরা | দশা | গুণ | জ্ঞান | শত্রু | নাতি | 'পৌষ |
| শস্ত্রু | ঝাঝা | বংশ | নলি | শক | শোক | ঝোড়া |
| নিধি | ডাঁড়ী | কশ | ক'স | শিশু | কাঁটা | ফুটি |
| থালী | কোণ | টোনা | ফুসি | দড়ী | শুক | সাধু |
| টাকা | অংশ | চিল | কাঁকি | যটি | গলী | সিন্ধু |
| বাঁশ | বিল | টেরা | হেম | হাঁটু | বিধি | ছড়া |
| ভীত | ঘোষ | টোকা | বলি | ধনী | শুভ | রূপ |
| হেতু | পৃথু | বৈরী | তোষ | অর্ক | শূল | ভূণ |
| মণি | যুগ | অর্থ | ঠিকা | দৃঢ় | মতি | গুড় |
| অর্দ্ধ | ঠেটা | মাজি | যুগ | ডগা | তৈল | মাটি |
| চোর | অগ্র | ঢাকা | পেয় | মারী | অহি | ডালা |
| যদি | অঙ্ক | বাটা | তাত্র | অণ্ড | তানা | রতি |
| অন্য | তামা | রবি | অস্ত | থানা | রাশি | অঙ্ক |
| থানা | লুচি | অন্ন | দয়া | কম্প | দাতা | নুড়ি |
| অশ্ব | দানা | হরি | অস্ত্র | দশা | হাঁড়ি | আর্ন্ত |
| দিবা | বাড়ি | আদ্য | দোনা | হালি | উক্ত | দোলা |
| কৃতি | উর্দ্ধ | ক্মিতি | অম্প | দোষা | কোঁরি | কর্ম |
| ধীর | অগ্নি | অম্প | ধূনা | অস্থি | ধার্য | নাসা |
| খ্যাতি | খণ্ড | নাদা | গ্নানি | খাদ্য | নালা | ত্রুটি |

| | | | | | | |
|--------|----------|--------|----------|----------|--------|----------|
| গণ্য | পড়া | দীপ্তি | গন্ধ | পাড়া | পংক্তি | গুণ |
| পীড়া | প্রাপ্তি | গুহ | পূজা | সৃষ্টি | যক্ষ | পালা |
| প্রীতি | চন্দু | পাশা | ফান্দ | চর্ম | প্রিতা | বুদ্ধি |
| চূর্ণ | ফলা | বুদ্ধি | ছন্দঃ | ফণা | বৃষ্টি | গম্প |
| ফাঁসা | ব্যাপ্তি | জন্য | বাসা | ভ্রান্তি | থর্ক | বাধা |
| যষ্টি | বম্প | ভাড়া | রাত্রি | তত্ত্ব | ভাটা | শক্তি |
| তপ্ত | ভারা | শাস্তি | তত্ত্ব | ভূষা | শান্তি | তিক্ত |
| কাল্য | সৃষ্টি | দণ্ড | মালা | স্মৃতি | দত্ত | শ্রান্তি |
| হৃষ্টি | দত্ত | মামা | ক্ষান্তি | ধন্য | মায়া | তুষ্টি |
| ধার্য | মরা | নতি | কর্তৃ | ততি | নত্র | মাস |
| ধর্ম | মাতা | পষ্টি | পিতৃ | হোতৃ | মাষা | কশা |
| নিত্য | মহা | নিম্ন | নৃত্য | মহী | পত্র | মিঠা |
| পদ্য | মিতা | পদ্ম | মূলা | পর্ব | মুখা | পাশ্ব |
| মেধা | পিপ্ত | মোচা | পূর্ণ | মোজা | পুত্র | মোটা |
| পূজ্য | মোড়া | পূর্ণ | যথা | বন্ধ | যাহা | বন্ধ |
| যোড়া | বিদ্ধ | রাজা | বর্গ | রাণা | বধ্য | লতা |
| বন্য | লীলা | বাদ্য | লোণা | বাহ | লোভা | বিশ্ব |
| শরা | বীর্য | শমা | ভক্ত | শাল্য | ভঙ্গ | শিলা |
| ভণ্ড | শুকা | ভাণ্ড | শোণা | ভাক্ত | শোভা | ভৃত্য |
| সর্থা | মণ্ড | সদা | মত্ত | সভা | মন্দ | সাদা |

| | | | | | | |
|---------|---------|----------|--------|------------|---------|--------|
| মদ্য | সীমা | মধ্য | সেথা | মর্ম | সোণা | মল |
| হাতা | মান্য | হাঁড়া | মুক্ত | হানা | মুণ্ড | হাবা |
| যত্ন | নিম্ব | যুক্ত | হাসা | রক্ত | হীরা | হাঁসি |
| বঙ্গ | ভুকা | যুক্তি | রত্ন | হেথা | খুসি | কপ |
| হেলা | গতি | কদ্ধ | হোতা | বিধি | কষ্ট | হোথা |
| হাতী | লক্ষ | হোলা | খড়া | লিঙ্গ | ক্ষপা | শাক্ত |
| ক্ষমা | শঙ্খ | ক্ষুধা | শস্য | অম্বা | শান্ত | আজ্ঞা |
| শীর্ণ | আচ্ছা | শৈত্য | শূন্য | আদ্যাশৌর্য | আর্য্য | |
| মঙ্গ | ইচ্ছা | সত্য | ঈর্ষা | সর্ব | এগু | মহ |
| কন্যা | সাধ্য | কজা | হর্ষ | কুজা | হৃদ্য | ক্রেতা |
| ক্ষুণ্ণ | ক্রীব | গণ্ডা | ক্লেশ | ঘণ্টা | ক্রম | ঘুট্যা |
| ক্রিয়া | চেষ্টা | ক্রোধ | গ্লানি | চিন্তা | গ্রাম | চচ্চা |
| গ্রাস | বগু | জ্যোতিঃ | চক্কা | জ্বর | তক্তা | ঘড়া |
| স্বর | জ্ঞান | স্বস্তি | দূর্বা | ন্যাস | ধজা | প্রিয় |
| নিন্দা | ব্যাদি | ব্রত | নিদ্রা | ব্রণ | নিষ্ঠা | ভ্রম |
| পাপু | শ্রুত | পাপু | শ্রুতি | শ্বাস | শ্লাঘা | শ্যাম |
| বন্ধ্য | শেষ | বশ্য | শ্রম | বাঙ্গা | স্মান | শ্রোতা |
| স্নেহ | বিদ্যা | স্কুল | ব্যথ | হৃদ | বেশ্য | হাস |
| ক্ষণ | ভর্ষা | ভার্য্যা | ক্ষেপ | ভিক্ষা | ক্রান্ত | ভোক্তা |
| ভক্ত | ক্রান্ত | মজ্জা | কান্তি | ক্রিষ্ট | মুক্তা | এগু |

মিথ্যা গ্রাম্য মুদ্রা গ্রাহ যাত্রা গ্রীষ্ম যোদ্ধা
 জ্যেষ্ঠ 'রস্তা তান্ত রক্ষা ব্রহ্ম লক্ষা দ্রব্য
 লম্বা দ্বন্দ্ব শ্রদ্ধা ধস্ত মক্খ্যা ধ্বস্ত হিকা

সুরান্ত ব্রহ্মর ।

| | | | | |
|----------|---------|----------|----------|------------|
| অথর্ব | আকৃতি | অধুনা | অধম | উজ্জ্বল |
| উৎপত্তি | অনন্ত | উপমা | কুদৃষ্টি | অভয় |
| উর্ধ্বা | কুম্ভি | অলন | একদা | দুর্মতি |
| আভাস | কমলা | দূর্নীতি | আলয় | কলিকা |
| প্রণতি | আশয় | কণিকা | প্রকৃতি | করণা |
| পুম্বতি | ইঞ্জিত | কামনা | বিভূতি | ইতর |
| কামাখ্যা | বিন্মতি | ইষ্টক | কারিকা | ব্যুৎপত্তি |
| ঐদৃশ | পরিধি | ঐশ্বর | কুৎসিতা | অঙ্গুলী |
| ঐশান | কোমলা | উচ্ছিষ্ট | কৌশল্যা | ইন্দুগী |
| উত্তম | ঐশানী | খচিতা | উত্তর | খলতা |
| ঐশ্বরী | উভয় | গণিকা | উদীচী | একত্র |
| গুরুতা | একাকী | একাগ্র | গোপিকা | কবরী |
| একান্ত | লেখনী | করিণী | ঐশ্বর্য | ঘটনা |
| কলসী | ঐহিক | ঘটিকা | কেকরী | ঐষথ |

| | | | | |
|-----------|-----------|-----------|------------|-----------|
| ঘোষণা | থর্বাঙ্গী | কটক | চঞ্চলা | খেচরী |
| কঠিন | চতুরা | গন্তিণী | কর্তব্য | কণ্টক |
| চন্দ্ৰিকা | গাঙ্গারী | কম্পট | চপলা | গুর্ভিণী |
| সুখদ | যাতিনী | কদাচ | জনতা | চণ্ডালী |
| করণ | জামাতা | চার্বঙ্গী | কর্তৃত্ব | জীবিকা |
| জননী | কলঙ্ক | জীর্ণতা | তাপিনী | তন্ত্রতা |
| তারিণী | কারণ | তাড়না | তুলসী | কুকর্ম |
| তারুকা | তোমরা | কুঞ্জল | তীরস্থা | ধারিণী |
| কৃপণ | তুলন | নাশিনী | খচিত | তূর্ণতা |
| পাপিনী | খনন | দধীচি | ফলিনী | খপ্পর |
| দক্ষিণা | বাসিনী | খাদক | দায়িকা | ভগিনী |
| খেচর | দুঃখিতা | ভবানী | খোদন | দুঃশীলা |
| ভাবিণী | পঠন | দূরস্তা | মালিনী | গণক |
| দুর্দশা | রমণী | গরল | দুষ্টতা | শঙ্করী |
| গর্ভিত | ধারণা | সর্বরী | গবাক্ষ | ধূর্ততা |
| হুাদিনী | গহন | নত্ৰতা | ক্ষীণাঙ্গী | গাম্ভীর্য |
| নবীনা | হরিণী | গৌচর | নষ্টতা | অচাক |
| গোপাল | নায়িকা | নাসিক | অলাবু | গ্রহণ |
| নিন্দিতা | আভীর | গ্রাহক | বিরামা | ইভোক |
| ঘর্ষণ | নির্দয় | উন্দুক | ঘাতক | নির্মাণ |

| | | | | |
|-----------|-----------|----------|-----------|---------|
| উর্ণায়ু | ঘৃতাঙ্ক | নির্লজ্জ | করিষু | ঘোটক |
| প্রতিষ্ঠা | করেণু | ঘোষণা | প্রতিষ্ঠা | কৃপালু |
| চকোর | প্রশংসা | দয়ালু | চঞ্চল | বাসন্য |
| নিদ্রালু | চটক | ব্যাকুল | পরন্তু | চতুর |
| ভৎসনা | চরিষু | চন্দন | ভাবনা | বর্জিষু |
| চম্পক | মত্ততা | পুনর্ভূ | চাতক | মর্যাদা |
| বর্ষাভূ | চাতুর্য্য | মৃখতা | জামাত | চামর |
| মন্ত্রণা | দুহিত | চিন্তন | যশোদা | ননন্দ |
| ছাগল | যাতনা | সবেষ্ট | নায়িকা | গোপিতা |

স্বরাস্ত চতুরঙ্গর ।

| | | | |
|------------|------------|-----------|------------|
| অমানিতা | জয়যুক্তা | কৃপাময়ী | জন্যদ্রব্য |
| কৃতকৃত্য | কুস্তকারী | গলহস্ত | চিরকাল |
| গিরিধারী | চেষ্টাষিতা | গোবর্দ্ধন | ওষধীশ |
| চিন্তনোয়া | গাণপত্য | গোপনীয়া | ঘটনীয় |
| চর্মকারী | ঋষ্যশৃঙ্গ | খিদ্যমানা | চতুষ্পদ |
| চরিতার্থী | গোপালক | খলাস্তকা | কামান্তক |
| জিজ্ঞাসিতা | কোলাহল | জীবধারী | জনাদর্শন |
| তন্ত্রবায় | জ্বালাষিতা | দায়ভাগ | পীড়াষিতা |
| পরাক্রম | পাপাষিতা | নারায়ণ | নীচনসা |

| | | | |
|---------------|------------|--------------|---------------|
| পরিজন | বার্ণীয়া | তুরঙ্গম | জয়াঙ্ঘিত |
| পরাজয় | প্রতিনিধি | প্রিয়পাত্র | বিলক্ষণ |
| ফলযুক্তা | দৈবার্ধনি | বজ্রধব | অগ্রস্থিতা |
| বিচক্ষণ | দয়াশীল | বিভূষিতা | আতপত্র |
| ধীমচিব : | বৈবাহিক | ধৈর্য্যশালী | বর্তমান |
| দণ্ডপ্রদ | খণ্ডবলা | খড়পাণি | দণ্ডহস্তা |
| ধরাধর | নিকটস্থা | পৌর্বাপর্য্য | জিতেন্দ্ৰিয়া |
| প্রায়শ্চিত্ত | সাক্ষেতিক | বোধাঙ্ঘিতা | বুদ্ধিযুক্ত |
| ধৌতকস্ত্রা | পরিপাটী | নিন্দনীয় | পুনর্বার |
| পারিপাট্য | ভারগ্রস্তা | ত্রিভুবন | ধারণীয় |
| ধর্ম্মশীলা | ত্রিলোচন | বিকসিত | দ্রাক্ষারস |
| পোনস্তনী | বারম্বার | দানযোগ্য | নমস্কার |
| বহির্ভূতা | পরিমাণ | পরিণয় | পরিণাম |
| দিনকর | ভোজনীয় | অনুমতি | অগ্নিশিখা |
| অধিকারী | মকরন্দ | অজমোদা | অবিকৃতি |
| সুসন্তান | আমিষাশী | মদমত্ত | কুসন্ততি/ |
| আখ্যায়িকা | ইষ্টসিদ্ধি | ইভগামা | মনোহর |
| ঈশ্বরেচ্ছা | ঈশবাদী | মাতামহ | উগ্রগন্ধা |
| উপাস্তৃতি | পূর্ণতমা | অনুমূর্তি | ঋক্ষনাদী |
| মাদকত্ব | উপাসিতা | উষাপতি | প্রতারণা |

| | | | |
|------------|------------|------------|-------------|
| একব্রতী | মীমাংসক | ঋদ্ধিদাতা | ঋদ্ধিরুদ্ধি |
| প্রকুল্লতা | ঐকাহিকী | মূলীভূত | কলালাপ |
| একগতি | প্রামাণিকা | ওষ্ঠভঙ্গী | মূর্ছাস্থিত |
| কুশলতা | কর্মমতি | বশীভূতা | কর্মকারী |
| যজমান | কৈতবতা | কামবুদ্ধি | ধারণীয়া |
| যত্নযুক্ত | কোমলতা | কুপ্রভি | বিবেচনা |
| কাদম্বিনী | গর্তবতী | যমরাজ | কৌশলতা |
| খড়মুষ্টি | বোধনীয়া | যনশ্রেণী | যাবদীয় |
| গর্তস্থিতি | ভয়ানকা | পুত্রবতী | যুক্তিসহ |
| খেদযুক্তা | গানশক্তি | পৃষ্ণরিণী | যুবরাজ |
| খোদকতা | গুরুভক্তি | ভীমরূপা | পৌর্ণমাসী |
| যৌবনস্থ | গৌরবতা | গূঢ়বুদ্ধি | ভূরিঘটা |
| রহনদী | রাজকার্য্য | যাতকতা | চন্দ্রগতি |
| মদোন্মত্তা | অতিলঘু | রীতিযুক্ত | ঘুণাক্ষর |
| চারুমতি | আদিকাৰ | রূপান্বিত | চন্দ্রকলা |
| ছন্নবুদ্ধি | মাননীয়া | ইন্দ্রসূনু | লাঞ্জুনীয় |
| চিন্তনীয় | জন্মতিথি | মিতাহারা | উচ্চদাক |
| লুক্কায়িত | চক্রফলা | জন্মভূমি | যাজনীয়া |
| ঈষৎপাপু | লেপনীয় | ছদ্মবেশা | দানরতি |
| যুদ্ধশালা | উর্গাতন্তু | লোভযুক্ত | ছাদনীয় |

| | | | |
|---------------|-------------|-------------|------------|
| ধনপতি | যোগরতা | ঋণভীক | লৌহময় |
| ছিন্নমস্তা | ধর্মমতি | যৌবনস্থা | একপ্ৰভু |
| শকাধিত | ছেদনীয়া | নরপতি | রমণীয়া |
| কম্পাতক | শনিবার | জয়শীলা | পরিমিত |
| রাজপ্রিয় | কামধেনু | শাসনীয় | জাগ্রদশা |
| পুনরুক্তি | রাসক্রীড়া | খাদ্যবস্তু | শিরোরোগ |
| জিতশত্রু | বীতফলা | গানপটু | পক্ককেশ |
| জিতেন্দ্ৰিয়া | ফলাশক্তি | শীর্ষদেশ | তমোযুক্তা |
| মতামতি | লোভযুক্তা | চন্দ্রচাক | শুকবাক্য |
| তারণীয়া | যজ্ঞরতি | ছিন্নদাক | শূন্যগেহ |
| তীরস্থিতা | হতবুদ্ধি | শোকযুক্তা | জলজন্তু |
| শেষদ্রব্য | তুন্দোদর | কাশীপতি | দীর্ঘজানু |
| শোকাধিত | তূর্ণকর্মা | নীলমণি | সচ্চরিত্রা |
| ধুমকেতু | ষোড়শাঙ্গ | তোষণীয়া | পরমায়ুঃ |
| সঙ্কলন | ত্বরাস্বিতা | প্ৰভবিষ্ণু | সর্বদেব |
| দানশীলা | রহদ্বাহু | সদানন্দ | দিনপ্ৰভা |
| সাময়িক | দীর্ঘতর | সায়ংকাল | দুঃখহরা |
| সার্বভৌম | দূরস্থিতা | শিদ্ধবিদ্যা | দেশভাষা |
| সুরগণ | দৈন্যযুক্তা | সূর্যদেব | দোষযুক্তা |
| সেবনীয় | ধর্মযুক্তা | সোমবার | ধারণীয়া |

| | | | |
|------------|-------------|-------------|-----------|
| হলাহল | ধীরবর্গ | হিমকাল | ধুরন্ধরা |
| হেমবর্ণ | ধৃতশাখ | হোমদ্রব্য | ধৃতগর্তা |
| ক্ৰমাযুক্ত | নামমালা | কিৰ্ত্তিপাল | নিকম্পমা |
| ক্ৰীণদেহ | ক্ৰেত্রজাত | ক্লুধাযুক্ত | পাকশালা |
| ক্ৰেপ্ণীয় | পিপীলিকা | ক্ৰেমাশ্বিত | পীড়নীয়া |
| ক্ৰৌণিপাল | পীড়াশ্বিতা | দয়াশাল | চতুরঙ্গ |
| ধীরবর্ষা | রীতিযুক্তা | শালগ্রাম | দীনহীন। |

সূরাস্ত পঞ্চাঙ্গুর ।

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| অসামঞ্জস | অনলশিখা | ঈশ্বরভক্ত |
| অগ্নিপ্ৰদীপ্তি | উষ্ট্রবদন | আপন্নসত্ত্বা |
| উর্দ্ধকেতন | আভীরপংক্তি | ঋণপ্ৰদান |
| ইভগমনা | এণনয়ন | ঈশ্বরপ্ৰভা |
| ঈশ্বরভক্তি | এন্দুজালিক | ঔর্দ্ধদেহিক |
| উচ্চপ্ৰকৃতি | কচচ্ছেদন | উপকারিকা |
| কথাসাচিব | উষরভূমি | কনকাচল |
| উররীকৃতা | কপটবেশ | ঋণসংহতি |
| কমঠপৃষ্ঠ | ঋক্ষাখরা | কামনাযোগ্য |
| একাবস্থিতি | কিতবতুল্য | একগৃহস্থা |
| কোটসমান | একাগ্রদৃষ্টি | কুৎসিতমুখ |

| | | |
|-----------------|-------------|--------------|
| ঐশিকমায়া | কৃপণশ্রেষ্ঠ | কলিপুরতি |
| কেশমার্জন | কপটবেশা | মহিষশূড় |
| কৈতরপ্রিয় | কিরীটদীপ্তি | কোমলপত্র |
| কৌশবদন | খট্টোপরিষ্ক | কালকাকৃতি |
| খননযোগ্য | কুমন্ত্ররতা | গঙ্গাসাগর |
| কৈশোরমতি | গস্তোরজল | কেশরহিতা |
| গান্ধীর্ষাযুক্ত | কোদণ্ডাকৃতি | গীতপ্রবন্ধ |
| কৈতবযুক্তা | গুরুবচন | খরপুদীপ্তি |
| গোবর্দ্ধমস্থ | কোমলপদা | গৌরবযুক্ত |
| গজেন্দ্রগতি | ঘণ্টাবাদন | কোমারাবস্থা |
| বর্ষরশব্দ | গুণালঙ্কৃতি | চকোরশব্দ |
| গুণাগ্রস্থিতা | চঞ্চলচিত্ত | গোধূমততি |
| চন্দ্রবদন | গাঢ়বচনা | চক্ষুঃপ্রকাশ |
| গৌণপ্রকৃতি | চামরহস্ত | গাত্রবেদনা |
| চাকুরীর | জননাবধি | চিরপ্রবাস |
| গীতসংহিতা | চীনদেশস্থ | জড়প্রকৃতি |
| চৈতন্যযুক্ত | গোময়ভবা | চেতনান্বিত |
| নগরপ্রাপ্তি | ছিন্নমস্তক | গৌরবান্বিত |
| ছদ্মগ্রাহক | নীচপুরতি | ছায়ারহিত |
| দমনযোগ্য | ছেদকারক | পরমতৃষ্ণি |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| জগন্মোহন | পরমসভা | জলসমূহ |
| ব্রাহ্মণর্জাতি | জলপ্রাবিত | পরমশোভা |
| জলবহন | মন্দপ্ররতি | জিতসংগ্রাম |
| ভবনক্রিয়া | জীর্ণশরীর | মনুষ্যশ্রেণী |
| ঝঙ্কারশব্দ | ভারতকথা | ডমক্‌বাদ্য |
| রাজ্যাধিপতি | ডিগ্‌মশব্দ | মদমত্ততা |
| তদনন্তর | শাসনরন্ধি | তমোবাহুল্য |
| সুখবাসনা | তাৎপর্যবাক্য | ক্ষয়জব্যাদি |
| তিরস্কারক | হাস্যবদনা | তুন্দিলপাত্র |
| আশুভাষিণী | তুলনাহীন | ক্ষমতাপন্ন |
| তুল্যবিষয় | ইন্দুবর্ণা | তূর্ণপাঠক |
| দুঃখহরণ | তৃপ্তিবিশিষ্ট | ঈশগামিনী |
| তৃষ্ণারহিত | সুখবাসনা | তৈলমর্দন |
| উষ্ট্রগামিনী | দণ্ডগ্রহণ | উর্দ্ধচারিণী |
| দন্তকপুত্র | ঋদ্ধিদায়িনী | দন্তশোধনী |
| এক্যবাদিনী | দয়াবিশিষ্ট | ঔষধকারিণী |
| দাড়িমফল | কর্কশবক্ত্রী | দাক্ষেদন |
| কাকভাষিণী | দিবাপ্রদীপ | কিরীটশ্রেণী |
| দীর্ঘশরীর | কুৎসিতবাণী | দুন্দুভিবাদ্য |
| কৈরবমুখী | দূরদেশস্থ | কোকিলনাদী |

| | | |
|------------------|----------------|--------------|
| দেবরপুত্র | গায়কাবলী | দোষবিশিষ্ট |
| গীতকারিণী | দৌর্বল্যান্বিত | শূন্যভাষিণী |
| ধনগর্হিত | গুট্টচারিণী | ধরণীধর |
| গেহশোধিণী | ধরাপতিত | গোত্রবর্জিণী |
| ধাৰ্ম্মিকশ্রেষ্ঠ | গৌরকপিণী | ধৃত্তুরপূজা |
| তোষকারিণী | ধৌতবসন | দুঃখহারিণী |
| ধেয়চরণ | বহুকপিণী | নরকপতিত |
| মঞ্জলদাত্রী | নানাপ্রকার | মথুরাপুরী |
| নামকরণ | মদোন্মাদিনী | নিকটাগত |
| রাজমহিষী | নিরহঙ্কার | কমলবন্ধু |
| নোতিশিক্ষক | কামদেবেষু | পরমলাভ |
| কিরাতধনুঃ | পরমানন্দ | কৌলকদাক |
| পরিগণিত | কুমন্ত্রপটু | পরিবেষণ |
| কৈতবপটু | পাচকশ্রেষ্ঠ | কোমলতনু |
| পাদপর্য্যন্ত | দীনদয়ালু | পাপকারক |
| পরমবস্তু | পিত্তবদ্ধক | সুন্দরশিশু |

জকার ভেদ ।

জটায়ু জনতা জয় জর্প জনাৰ্দন জ্যোতিৰ্ময়
 জগন্ময় জীবন জনক জননী জন্ম জাহ্নবী জম্পন
 জীর্ণ জ্বর জ্বালা জঙ্ঘা জায়া জরা জন জয়ত্রী
 জুস্তা জম্বুক জ্বলন জিগীষা জিন্মা জলৌকম্ জল
 জাগরণ জীরক জম্বীর জার জানু জ্যা জঘন
 জাপ্য জাড্য জাতীফল জয়ন্তী জলদ জজ্জর
 জাতি জঙ্গম জবন জতুক জাতুক জম্বু জিত জিন
 জতু জবম জিজ্ঞাসা জন্য জড় জন্তু জ্যেষ্ঠ জ্যৈষ্ঠ
 জ্যোতিষ্ জম্বাল জঘন্যজ জামাতা জঠর জাল
 জৈত্রধ্বজ জীমূত জনমেজয় জটী জটা জুট । পূজ্য
 পূজা রাজ্য রাজা ওজঃ বাজী গজ ভোজ্য দ্বিজ
 নিজ লভ্জা প্রজা রজঃ ধ্বজ বজ্জু তেজঃ বীজ
 মজ্জা খঞ্জ কুঞ্জ রজ্জু বিভঞ্জ কালজ সজ্জ অজ্জ
 আঙ্গজ শৈলজ কুজ সরোজ পঙ্কজ পৃঞ্জ গুঞ্জ
 গুঞ্জা । পরাজয় উদ্বৈজক উপাৰ্জ্জন ভূজগ ভূজঙ্গ
 কুজন বজ্জন ব্যঞ্জন ঝঞ্জন ভোজন রজনী রাজীব
 তজ্জনী তজ্জন পৰ্জ্জন্য রঞ্জন অজ্জান গজ্জন
 তেজন মঞ্জন রজক দুৰ্জন কজ্জল অঞ্জন রজত

খর্জুর খঞ্জন খনঞ্জয় মৃত্যুঞ্জয় বিসর্জন বিজয় দুর্জয়
অজয় মাজ্জন অজগর পঞ্জর ধর্জটি যোজন মজ্জন
ভর্জন ভঞ্জন পারিজাত যজমান নিয়োজন।

জন্ম ও জ্ঞান বৃদ্ধিতে যে২ জকারের প্রয়োগ
করা যায়। সে সকল বর্ণীয় জকার জানিবা। যথা,
পঙ্কজ গুণজ ইত্যাদি।

নিত্য গকার।

গণ পণ গুণ ঘুণ শণ শোণ শাণ পঙ্কণ কঙ্কণ
কিণ রেণ কোণ কাণ কল্যাণ অঙ্কণ এণ ভণ ব্রণ
তৃণ চিঙ্কণ আপণ অণু মৃড়ঙ্কণ হ্রণ নিপুণ মৎকুণ
স্থণ সিঙ্কণ লবণ উল্ণ প্রবীণ কণ তঙ্কণ টঙ্কণ
লাবণ্য লোণ কণ্ণ কিণ্ণ পণ্য ঘোণা বীণা ফণা বেণু
পণ্য বন্ধয়ণী স্থাণু বাণী বিপণি ককোণি পাণি
ফাণি মণি কুণি বেণী তুণী গোণী দ্রোণ রণ নি-
পাণি তুণীর মাণিক্য মণি বণিক্ নিবাণি পিণ্যাক
চাণক্য মণিমন্ত্ ধ্বাণিক কিঙ্কিণী গণিকা চাণুর চণক
ফাণিত কুণপ পণব বেণ কুণিত শোণিত গণিকা-
রিকা কণিশ ফেণ ধুণ ফাল্গুণ কাঁকিণী গগণ।

নিত্য শকার ।

শিব শুভ শত্ৰু শম্ভু শঙ্কর শবর শিলা শালী
 শুল্ক শক্তি শলাক শম্বর শশাঙ্ক শীতাংশু শশী
 শর্করা শাধু শেখর শরীর শোচিঃ শুচি শুদ্ধ শিষ্ট
 শোভা শোভাঞ্জন শিকত শ্যামাক শাক শালি
 শান শন শাস্ত্র শাত শর্ম্ম শত শিত শ্বেত শুক্র
 শ্লথ শোধ শপথ শ্লক্ষু শক্র শটি শুষ্ঠী শঠ শল্য
 শাখা শিখা শিখী শঙ্খ শিখণ্ড শাণ্ডিল্য শোক
 শেফালিকা শফর শালুক শুক শক শাক্য শকট
 শাস্বক শলভ শরভ শ্বভ শুল শূন্য শ্লাঘ্য শীঘ্র
 শিশু শ্বশুর শরণ্য শাদল শাদূল শৈল শকল
 শ্যামল শয়ন শিথিল শীল শ্যেন শুক্রি শূল
 শত্র শঙ্কা শিঙ্গ শিঙ্গা শারঙ্গ শশ্বৎ শূদ্র শাদ
 শকৎ শ্লীপদ শরৎ শনৈঃ শীর্ণ শোণ শয্যা
 শিঞ্জা শিকা শনি শম্ব শিঙ্গ শিষী শিত্র শকুন্তি
 শকুনি শাল্মলি শিংশপা শাল শৈবাল শম শমী
 শ্মশ্রু শ্বশ্রু শ্মশান শীর্ষক শব শশ শ্যাম শ্যালক
 শম্বল শাম্বত শিলীন্ধু শৌণ্ড শুদ্ধ শেফ শস্ত্র
 শাস্ত্র শংসন শাসন শরারি শারিকা শীতল শ্রান্ত

শ্রম শ্রেয়ঃ শ্রেষ্ঠ শ্রদ্ধা শ্রুতি শ্রেণী শূকর শৃগাল
 শৃঙ্গ শ্লোক শৃণি শ্রোণী শ্রাবণ শ্রুত শ্রবণ
 শৃঙ্গার। কেশব কাশ্যপ ঈশ্বর, আশ্রয় অশোক
 দর্শন আশ্রয় কুশল আশ্বাস অতিশয় উশোর
 কাশ্মীর বিশ্বাস সংশয় নিশিত পিশিত অংশন
 দশন বিশাখ বিংশতি দংশন লগুন আশ্বিন
 অশ্রু অশ্বথ অশন পিশাচ শিঙ্গল পুঞ্জ অশ্ব
 বিশ্ব অশ্ম অবশ্য অশনি রশ্মি পশুপতি বেষ্ম
 অশেষ বিশেষ কিশোর কেশ বেশ ক্লেশ লেশ
 বিনাশ হতাশ সন্দেশ কাশী দংশ বংশ পাশ
 কর্কশ আক্রোশ ক্রোশ আকাশ পুবেশ নিশা
 নিশি দশ যশঃ পুকাশ নিবেশ সদশ অঙ্কুশ
 কুশ পলাশ সকাশ আশা রাশি ঈশ দিশ
 স্পর্শ আশু কাশ অনিশ বড়িশ দেশ গণেশ
 আকাশ নাশ বশ শশ অংশ প্লাম্বু অনেকশঃ ।

নিত্য ষকার ভেদ ।

ষষ্ঠী ষষ্টি ষণ্ড ষষ্ঠ বিভীষণ ভীষণ ভূষণ বিশেষণ
 পুষ্কর দুষ্কর দুষ্ম গোপ্পদ ঘোষণ নিষেধ পুষ্প ঔষধ
 ভিষজ বিষাদ শপ্প দুষদ্ ভেষজ কষায় পাষণ

পাষণ্ড কুয়াণ্ড নিফ তুরুক্ষ বিষাণ অভিষেক
 নিষেক হৃধীক বান্ধুযিক ঈষৎ রঘদংশক নৃষিক
 বিষয় অভিষঙ্গ যোষিৎ রঘল উষর জ্বাষাঢ়
 তুষার বিষুব শুষির দুষ্ট বশিষ্ঠ বিষম ভাষা
 সর্ষপ পৌষ নিষঙ্গ নিষাদ ভাষ্য প্রেষ্য শিষ্য
 গ্রীষ্ম দৃষণ দৃষিকা তুষ্ট উষ্ম বর্ষ্য ভীষ্ম অম্বরীষ
 করীষ অমর্ষ বর্ষ মেঘ কলুষ কিল্বিষ পুরীষ
 পুরুষ পকুষ প্রতৃত্যষ মঞ্জুষা তুষ দ্বেষ বিশেষ
 শেমুষী কর্ষ কষ শ্লেষ শিরীষ মহিষ উষ্য নিকষা
 ব্রপুযী শীর্ষ সুষা ইযু অভিলাষ ঈর্ষা যোষা তৃষা।

নিত্য সকার ভেদ।

সনূহ সকল সিদ্ধি সমস্যা সুন্দর সর্ব সেবা
 সব্য সভ্য সদ্যঃ সম সিত স্মিত সিতা স্রোতঃ
 সনুদ্র সঙ্গম সন্নিৎ সরিৎ সাম সোমা সোম
 সীমন্ত সৱন্ত সন্ত স্বস্তি সখি স্বর সুধা সিক্ত
 সক্র স্বচ্ছ সৈবর স্বেয় স্মর সদা স্বেদ সদঃ সপাদি
 স্যন্দন সালুর সিন্দুর সান্দু সুর সদন সাগর
 সন্নর সার সৌরি সুরি স্থনি সন্নীর সঙ্গার স্বামী
 সমস্ত সরণি সপিঃ সর্প সপ সূর্প সত্র সহস্র

সূর্য্য স্বয়ং সূচি মন্ত্র সিদ্ধুবার সিদ্ধু স্বাদু মক্কাতা
 সময় মচিব , মার্থ মাদ্বম মমাম মারম : মরট
 সূনু সানু মমঞ্জম মায়ক সিদ্ধুক অক মৌমক
 মরম মরমী মলিল মাল মমক্ক মদৃশ মায্য মৌম্য
 সুরা স্বয়ং, মাক্কী সূক্ষ্ম মনম সেবক মুখ মম্বাদ
 মক্কৎ মত্য নিংহ মপ্ত মাপু মত্ত ম্জন্ সূত
 মনৎকুমার সুবর্ণ স্বর্গ মহ' মক্কি মতী ম্মতি
 মংকৃত মন্দেহ মাক্কাতং মমাচার মংক্রেপ মম্মতি
 মহায় মচ্চিদানন্দ স্বরূপ মংপ্রতি । বিকমিত
 ব্যবমিত লমিত পারিমর প্রমার বিনর অসুর
 প্রমাদ ভাসুর বসুদেব অপমর ব্যামঙ্গ বসুধা
 বসু অনাবম্যা অমক্কৎ ব্যামন বাৎম্য মাৎমর্য্য
 প্রমঙ্গ বাসর বাসব অমম পরামর কিনলয় বনন্ত
 কুসুন অজস্র তমিস্র আম্য লাম্য হান্য প্রশস্ত
 আশ্বস্ত দুস্ত কৃৎস্র ভম্ম জ্যোৎস্না ব্যাম ন্যাম
 রাম বাস পনম কৈলাম অমি মমী কংস ধ্বংস
 হংস মাংস মাম দির্বম রম বীভৎস কার্পাস ত্রাম
 হাম ভাম গ্রাম বিশ্বাম ক্কলাম দাম বিলাম
 উৎসাম ঘাম পায়ম মালাম বিভাম ।

৭তম বিধি।

ঋ ঌ র ম, এই সকল অক্ষরের পরপদের মধ্যে থাকে যে দন্ত্য নকার, তাহার স্থানে গত্ব হয়। এবং স্বরবর্ণ ও কবর্ণ ও পবর্ণ য ব হ অনুস্বর বিসর্গ যদি মধ্যে থাকে, তথাপি গত্ব হয়; যেমন, কারণ বারণ ধারণ। সমাস-স্থলে, অর্থাৎ দুই তিন পদের এক্য হইলে, পূর্ষপদের ঋ ঌ র ম, এই সকল বর্ণের পর এবং পরপদের পক্ষ যুবন অহন, এই সকল শব্দ ভিন্ন যে শব্দ, তাহার শেষে থাকে যে নকার ও নুমের নকার ও বিভক্তির নকার স্বরবর্ণ কবর্ণ পবর্ণ য ব হ, এই সকল বর্ণ ব্যবধান হইলেও ঈপের সহিত কিম্বা স্যাদির সহিত যোগ হইলে তাহাদিগের বিকল্পে গত্ব হয়, অর্থাৎ এক বার হয়, এক বার হয় না। যদি পরপদের মধ্যে কবর্ণীয় বর্ণ থাকে, কিম্বা পরপদ এক স্বর হয়, তবে তাহাদিগের গত্ব সর্বদা হইবে।

সমাসস্থলে পূর্ষপদের ঋ ঌ র ম, এই সকল বর্ণের পরে পরপদের প্রথমে থাকে কি মধ্যে থাকে যে নকার, সে যদি পূর্ষপদ ও পরপদে মিলিত হইয়া কোন প্রাণির কিম্বা কোন বস্তুর শাস্ত্রোক্ত নাম হয়, তবে ঐ সকল বর্ণ ব্যবধান থাকিলেও গত্ব হয়; কিন্তু গ ব্যবধানে গত্ব হইবে না। এবং হরিনন্দী ত্রিনেত্রাদি শব্দের গত্ব হইবে না।

অগ্নে, সারিকা, ঈশ্রুকা, সিধুকা, কোটরা, পুরগা, এই সকল শব্দের পর যে বন শব্দের নকার তাহার গত্ব হয় যদি নাম বুঝায়।

শর, আম্র, কার্ণা, পায়ুক্ষা, খদির, প্র, নিবু, অন্তর, ইক্ষু, প্লক্ষ, এই সকল শব্দের পর বন শব্দের নকারের গত্ব হয় যদি নাম না বুঝায়।

তিন পর্য্যন্ত স্বরযুক্ত যে বৃক্ষবাচি ও ওষধিবাচি শব্দের যে ঞ্ ঞ্ র স, তাহারও পূর্বের ন্যায় স্বরাদি ব্যবধান থাকিলে বন শব্দের নকারের গত্ব হয়। কিন্তু তিন পর্য্যন্ত স্বরের অধিক স্বরযুক্ত যে বৃক্ষ ও ওষধিবাচি শব্দ, এবং তিরিকা, ইরিকা, তিমিরা, নিদারী, হরিদ্রা, এই সকল শব্দের পর বন শব্দের নকারের গত্ব হইবে না।

ত্রি চতুর শব্দের পর বয়স্ বুঝিতে হায়ন শব্দের নকারের গত্ব হয়। পর আদি কতগুলি শব্দের পর অয়ন শব্দের নকারের গত্ব হয়।

অগ্নু ও গ্রাম শব্দের পর নী শব্দের নকারের গত্ব হয়। পূর্বপদের ঞ্ ঞ্ র স, ইহার পর মে পান শব্দ তাহাতে বহুব্রূহি সমাসে কিস্মা অধিকরণ বাচ্যে যখন দেশ বুঝায়, তখন পান শব্দের নকারের গত্ব হয়।

গিরি, স্বর, বক্র, ইত্যাদি কতগুলিন শব্দের পর নদী ও নিতম্ব শব্দের নকারের গত্ব হয় বিকল্পে।

প্রাদি উপসর্গের রেফের পর নস শব্দের নকারের গত্ব হয়। প্র, পরা, নিবু, অন্তর, ইহার পর অন ধাতুর নকারের গত্ব হয়, ইত্যাদি।

ষত্ বিধি ।

ই ই উ ঊ ঋ ঌ ঍ ড এ ঐ ও ঔ ক খ গ ঘ ঙ ঘর্ষ ল হ, ইহার যে কোন অক্ষরের পর চমাৎ প্রত্যয়ের সকার ছাড়িয়া পদমধ্যস্থ ম্যাদির ও ত্যাদির ও তদ্ধিত ও কৃদন্তু প্রত্যয়ের যে সকার, তাহার স্থানে মূর্দ্ধন্য ষকার হয়; যেমন, প্রাণাপিকেষু, চরণেষু ।

অগ্নি আবুস্ জ্যোতিস্, এই তিন শব্দের পর সম্মানে বর্ত্তমান যে স্তোম শব্দ তাহার ষত্ব হয় । এতৎ গবি যুপি, ইহার পর হির শব্দের সকারের নস্ত্ব হয় । মাতৃ পিতৃ শব্দের পর স্বন শব্দের সকারের নস্ত্ব হয় ; কিন্তু অলুক সম্মানে বিকল্পে হয় ।

এক বার উদ্ভাপ বৃষ্টিতে নিম্ভুপ এই রূপের সকারের নস্ত্ব হয় ।

অম্ব, আম্ব, অপ, ত্রি, ভূমি, কু, দিবি, পর, মে, গো, শেকু, শঙ্কু অঙ্গ, মর্জ্জু, সবো, সব্য, অগ্নি, পুঞ্জ, দ্বি, এই সকল শব্দের পর স্ত্ব এই রূপের সকারের নস্ত্ব হয় ।

অগ্নুগামী বৃষ্টিতে পু শব্দের পর স্ত্ব এই রূপের সকারের নস্ত্ব হয় ।

বি, কু, শমী, পরি, এই সকল শব্দের পর স্ত্ব শব্দের সকারের নস্ত্ব হয় ।

নি এতৎ নদী শব্দের পর স্মা ধাতুর সকারের কৌশলার্থে নস্ত্ব হয় ।

কপি শব্দের পর মূল শব্দের সকারের গোত্র বৃদ্ধিতে বন্ধ হয়।

বৃক ও আসন বৃদ্ধিতে বিস্তর এই রূপের সকারের বন্ধ হয়।

অঞ্জলি শব্দের পর সঙ্গ শব্দের সকারের বন্ধ হয়।

তুরা ও জনাদির পরে নাচ শব্দের সকারের বন্ধ হয়।

উপসর্গ সম্বন্ধীয় যে ঙ ঙ্গ উ উ ঞ ঞ্গ ঞ্গ ঞ্গ এ ঐ ও ঔ র ইহার পর সু নো ন্য ছাড়িয়া যে স্বাদি ধাতু, এবৎ স্ত্র ধাতু, আর ষঙ ছাড়িয়া সিচ স্থা নেনি স্বঞ্জ ধাতু, ও অগত্যর্থ নিধ ধাতু, ও অপ্ৰতি পূর্নক মদ ধাতু, ও আঙ ছাড়িয়া স্ত্র ধাতু, সিব মহ ধাতু, ও নি বি পরি ইহার পর যে সেব ধাতু, ও বি অবর পর ভোজনার্থক যে স্বন ধাতু, ইহাদিগের সকারের বন্ধ হয়।



অন্য অক্ষরের পূর্বে যদি মকার ও অবর্ণ থাকে এমন যে শব্দ, এবৎ মকারান্ত ও অবর্ণান্ত যে শব্দ, আর ক খ গ ঘ চ ছ জ ঝ ট ঠ ড ঢ ত থ দ ধ প ফ ব ভ, এই সকল অক্ষরের যে কোন অক্ষর অন্তে থাকে এমনত যে শব্দ, তাহার পরে বিদ্যমান অর্থ বৃদ্ধিতে বৎ হয়। যথা, লক্ষ্মীবান্, যশস্বান্, কিম্বান্, জ্ঞানবান্, দয়াবান্, কিত্যাদি উদাহরণ জানিবা।

যে সকল শব্দের পর বন্ধ প্রত্যয় হয় তাহা বিনা সৎ শব্দ আস গরুৎ শব্দ ইহার পরে বিদ্যমান অর্থ

বুঝিতে মৎ প্রত্যয় হয় ; যথা, ক্রীমান্ বুন্ধিমান্, গরুত্মান্ ।
বতু মতু প্রত্যয়ের পুংলিঙ্গের পুংথমার একবচনে বান্ মান্
এই রূপ হয়, এবং ক্রীলিঙ্গের পুংথমার একবচনে বতী মতী
হয়, ও ক্রীবলিঙ্গের পুংথমার একবচনে বৎ মৎ এই রূপ
হয় ; যথা, জ্ঞানবান্, জ্ঞানবতী, জ্ঞানবৎ ; ক্রীমান্
ক্রীমতী, ক্রীমৎ ইত্যাদি ।

অনেক স্বর অবর্ণান্ত শব্দের পর বিদ্যমান অঃ
বুঝিতে ইন্ প্রত্যয় হয়, যথা, জ্ঞানী, শিখী ।

দুইয়ের মধ্যে একের উৎকর্ষ বুঝিতে তর প্রত্যয়
হয় ; এবং অনেকের মধ্যে একের উৎকর্ষ বুঝিতে তঃ
প্রত্যয় হয় ; যথা, এই দুই জনের মধ্যে ইনি পূজ্য,
এই অর্থে পূজ্যতর ; এবং অনেকের মধ্যে ইনি পূজ্য
এই অর্থে পূজ্যতম হয় ।

নিদ্রা, দয়া, তন্দ্রা, শ্রদ্ধা, কৃপা, হৃদয়, এই সকল
শব্দের পর আছে এই অর্থে আলু প্রত্যয় হয় ; যথা
নিদ্রালু, দয়ালু, তন্দ্রালু, কৃপালু, হৃদয়ালু ।

